क्यों ?

- शत्रु कीटों को नए लाख कीट की फसल पर जाने से रोकने के लिए ।
- सूखने के बाद फुंकी लाख डंडी से अलग होकर जमीन पर गिरने से रोकने के लिए ।

कब ?

- बीहनलाख के बण्डल वृक्ष में बांधने के 20 दिन बाद उसे उतार देना चाहिए। इस अवधि में ही बीहन का संचारण होता है।

कैसे ?

- फुंकी उतारने के लिए बांस पर लगे हुए धारदार हंसिया या हुक का प्रयोग करें, जो रस्सी काट सके ।

दवा छिड़काव

- कीटनाशक - एण्डोसल्फान 35 ई.सी.(0.05 :) (14 ली. पानी में 20 मि.ली. दवा का घोल बनायें)
- फफूँदनाशक - कारबेन्डाजिम 50: डब्ल्यू.पी. (0.01%) (15 ली. पानी में 3 ग्राम दवा का घोल बनायें)

क्यों ?

- शत्रु कीटों एवं फफूँद की रोकथाम के लिए ताकि अच्छी फसल ले सकें ।

कब ?

- सामान्यतः कीटनाशक का छिड़काव कीट संचारण के एक माह बाद या फुंकी हटाने के एक सप्ताह के भीतर करना चाहिए (अर्थात् बैसाखी फसल में - नवम्बर के दूसरे या तीसरे सप्ताह एवं कतकी फसल में - अगस्त के प्रथम सप्ताह)।

कैसे ?

- कीटनाशक/फफूँदनाशक घोल को लाख लगी टहनियों पर ही छिड़कें।

फसल कटाई कब ?

- अपरिपक्व लाख (अरी लाख) अप्रैल के अंतिम सप्ताह में काटें।
- बीहन लाख के लिए जून-जुलाई में काटें ।

कैसे ?

- टहनियों से लाख सरौते से ही छीलकर निकालें ।
- छाया में और हवा में ही सुखाएं ।
- शीघ्र से शीघ्र लाख को फैक्ट्री पहुँचाएं ।

लाख उत्पादन : यदि पलाश वृक्ष पर औसतन 300-400 ग्राम बीहन लाख (लाख अण्डे) छोड़ी जाती है तो 5 गुना (2-3 किलो) फसल प्राप्त की जा सकती है ।

बाजार मूल्य : 45 -70 रू. प्रति किलो (गुणवत्ता के आधार पर)

नोटः- अधिक जानकारी के लिए संपर्क करें-

कृषि वानिकी प्रभाग,
उष्णकटिबंधीय वन अनुसंधान
संस्थान, पो.आ.-आर.एफ.आर.सी., मण्डला रोड,
जबलपुर - 482 021. फोन : 0761-5044004

डिजाइन : विष्णु श्रीवास्तव एवं आर.के. श्रीवास्तव विस्तार प्रभाग - 2004 - 1000 कॉपी

वैज्ञानिक विधि द्वारा रंगीनी लाख का उत्पादन

अखिलेश अर्गल
एवं
डॉ. ननिता बेरी

कृषिवानिकी प्रभाग
उष्णकटिबंधीय वन अनुसंधान संस्थान
पो.आ.-आर.एफ.आर.सी., मण्डला रोड
जबलपुर - 482 021

वैज्ञानिक विधि द्वारा रंगीनी लाख का उत्पादन

लाख एक सूक्ष्म कीट केरिया लक्का के शरीर में पाए जाने वाली विशेष ग्रंथियों से स्त्रावित होने वाला पदार्थ है । यह स्त्राव सूखकर कीट के शरीर पर कवचनुमा परत बनाता है । मौसम के अंत में फसल तैयार होने पर कीट के शरीर पर ऐसी कई परतें बनती है, जिसे लाख कहते हैं।

लाख दो प्रकार की होती हैं -

(1) रंगीनी लाख - यह लाख पलाश, बेर, आकाशमनी एवं पीपल पोषक वृक्षों से प्राप्त होती है । यह लाख लाल रंग की होती है ।

(2) कुसुमी लाख - यह लाख कुसुम वृक्ष से प्राप्त होती है । लाख, कम लागत में तैयार होने वाली नगद फसल है । यह हर वर्ग के कृषकों, महिलाओं आदि के लिए अतिरिक्त आय का साधन है ।

हम यहाँ पर सिर्फ रंगीनी लाख के बारे में जानेंगे ।

लाख	फसल	कीट संचारण	फसल कटाई
रंगीनी लाख	कतकी	जून-जुलाई	अक्टूबर-नवम्बर
	बैसाखी	अक्टूबर -नवम्बर	अप्रैल - मई

कीट पालन के मुख्य चरण :

- वृक्षों की काट-छांट
- फुंकी हटाना
- फसल कटाई
- कीट संचारण
- दवा का छिड़काव
- लाख छिलाई

वृक्षों की कांट-छांट क्यों ?

- लाख कीट, पोषक वृक्ष की कोमल एवं रसदार टहनियों से अपनी सुईनुमा मुखाग्न द्वारा रस चूसकर पोषण प्राप्त करते हैं ।
- लाख के अधिक उत्पादन के लिए पोषक वृक्ष पर अत्यधिक संख्या में नरम एवं रसदार टहनियाँ होनी चाहिए।
- सूखी, फटी एवं टूटी टहनियों को हटाने के लिए ।
- वृक्षों के स्वास्थ्य एवं विश्राम के लिए ।

कब ?

- पलाश और बेर में यदि कतकी फसल लेनी है तो फरवरी के मध्य में छटाई हो जानी चाहिए और यदि बैसाखी फसल लेनी है तो अप्रेल माह में छटाई हो जानी चाहिए (कीट संचारण के 6 माह पहले) ।

कैसे?

- धारदार तेज हथियार (बका) या कुल्हाड़ी से ।
- काट-छांट हल्की करें ।
- अंगूठे से मोटी (2.5 सेमी व्यास) टहनियां न काटें ।
- 1.25 सेमी . व्यास से कम मोटाई की टहनियों को उनके उत्पत्ति स्थान से काटें ।
- 1.25 सेमी से 2.5 सेमी व्यास वाली टहनियों को एक हाथ (एक से डेढ़ फीट) लम्बाई से काटें ।
- सूखे ठूंठ को भी उनके उत्पत्ति के स्थान से काटें ।
- सूखी, रोगग्रस्त,टूटी या फटी हुई टहनियों को क्षतिग्रस्त स्थान से ही काटें ।

बीहन लाख संचारण (कीट संचारण) :

- परिपक्व मादा लाख कीटों से निकल रहे शिशु कीटों को पोषक वृक्ष की टहनियों पर फैलाने की प्रक्रिया ही संचारण कहलाती है, जिसमें बीहनलाख सहित टहनियों का बण्डल बनाकर पोषक वृक्ष की कई डालियों पर रस्सी या सुतली की सहायता से बांध दिया जाता है ।
- पोषक वृक्षों में अधिक कोमल टहनियाँ एवं प्रत्येक टहनी पर पर्याप्त शिशु का संचारण लाख उत्पादन को बढ़ाता है।

कब ?

- बीहन लाख संचारण जून-जुलाई (आषाढ़) एवं अक्टूबर -नवम्बर (कार्तिक) में करना चाहिए ।

कैसे ?

- सरोता से बीहनलाख की टहनियों को दातून की आकार में काट कर टुकड़े कर लें ।
- बीहनलाख की टहनियाँ 8-9 इंच लम्बाई की होनी चाहिए।
- बीहनलाख बण्डल उपलब्ध होने पर 60 मेश की नाइलोन जाली की थैली (30 सेमी × 10 सेमी) में भरकर बांधें ।
- बण्डल बनाते समय दोनों छोरों पर सुतली थोड़ी बड़ी रखें जिसका उपयोग पेड़ों पर बांधने के लिए करें ।
- बीहनलाख के बण्डलों को कोमल टहनियों की उत्पत्ति स्थान पर सटाकर बांधें ।
- बीहनलाख के बण्डलों को पूरे वृक्ष पर कई स्थानों पर बांधें ।

बीहन लाख की आवश्यक मात्रा

- प्रति पलाश वृक्ष बीहन लाख - 10 ग्राम प्रति मी. नई टहनी की दर से बाँधें (बीहन लाख उत्पादन के लिए) ।
- अरी लाख के लिए 20-25 ग्राम प्रति मीटर नई टहनी की दर से बाँधें (1-1.5 किलो प्रति वृक्ष) ।
- मध्यम आकार के पलाश वृक्ष पर 300-400 ग्राम प्रति वृक्ष बीहन लगाएं ।

फुंकी उतारना - शिशु कीट निर्गमन के बाद बची हुई लाख डंडी ही फुंकी कहलाती है ।